Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006
Participants : Singh Dr. Ram Lakhan,Moghe Shri Krishna Murari,Argal Shri Ashok,Gehlot Shri Thawar Chand,Gadhavi Shri Pushpdan Shambhudan,Mahajan Smt. Sumitra,Virendra Kumar Shri

an>

Title: Regarding sale of inferior quality of imported wheat through PDS in the country.

श्रीमती सुमित्रा महाजन :लेकिन मध्य प्रदेश में पीडीएस सिस्टम के अंतर्गत कंट्रोल की दुकानों परजो गेहूं आ रहा है, बताया जा रहा है कि वह आस्ट्रेलिया से आयात किया गया है। मैं उस गेहूं का नमूना लेकर आई हूं। वह गेहूं मनुयों के खाने लायक नहीं है। मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि हमारे किसानों को गेहूं का मूल्य कम मिला, 700 रुपये तक मिला और जो गेहूं आयात किया गया है, सुनने में आया है कि उसके लिए 1,000 रुपये चुकाए जा रहे हैं। वह गेहूं ऐसा है कि यदि आंगनवाड़ियों को दलिया देने के बारे में भी सोचा जाए तो उससे दलिया भी नहीं बन रहा है। हमारे एफसीआई के गोडाउन में क्वालिटी चैकिंग की कोई सुविधा नहीं है। इसलिए वैसा गेहूं ही एक्सैप्ट करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश को जितना गेहूं मिलना चाहिए, उतना मिल भी नहीं रहा है। अगर 11 लाख टन की आवश्यकता है तो 2 लाख टन ही मिल रहा है, यानी गेहूं की मात्रा कम मिल रही है और क्वालिटी भी काफी खराब है।

MR. SPEAKER : You have made your point.

श्रीमती सुमित्रा महाजन : कृाि मंत्री जगह-जगह कौन्फ्रैंस में जा रहे हैं। वे यह कहते हैं कि अगले साल उत्पादन अच्छा होगा, हम अगले साल किसानों को अच्छे प्राइस देंगे। लेकिन हमने इस साल किसानों को अच्छे सपोर्ट प्राइस नहीं दिए। मैं यह मामला इसलिए भी उठा रही हूं क्योंकि हम एक बार पहले भी पीएल-480 गेहूं आयात कर चुके हैं जिसके साथ गाजर घास आया और जो आज तक यहां बीमारी का कारण बना हुआ है। दुबारा उसी प्रकार का गन्दा गेहूं मध्य प्रदेश की कंट्रोल की दुकानों में मिल रहा है। मैं सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहूगीं कि इस पर तुरंत कार्यवाही होनी चाहिए। इसे रोका जाना चाहिए क्योंकि मध्य प्रदेश गेहूं खाने वाला प्रदेश है, इसलिए इस बारे में ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सब अपने नाम लिखकर दे दीजिए। हम सबका नाम इनके साथ एसोसिएट कर देंगे। आपने नोटिस देने का कट भी नहीं किया।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सर्वश्री कृण मुरारी मोघे, थावर चन्द गहलोत, डा. राम लखन सिंह, वीरेन्द्र कुमार, अशोक अर्गल और पी.एस. गढ़वी भी इस विाय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : You are taking advantage of the matter he is mentioning.

... (*Interruptions*)